

मोको लाग्यो रे सतसंगी थारो भाग जाग्यो रे

मोको लाग्यो रे सतसंगी ,
थारो भाग जाग्यो रे मोको लाग्यो रे

गली गली हरी चर्चा होवे ,
जाणो सतगुरु आयो रे ,
भारत भूमि अमरत बरसे ,
बहुत ही आनन्द छायो रे ,
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,
थारो भाग जाग्यो रे ,
मोको लाग्यो रे ।

देश देश का हरी जन आया ,
भारी मेलो लाग्यो रे ,
मुक्ति का दरवाजा खुली गया ,
अब तो कलयुग भाग्यो रे ,
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,
थारो भाग जाग्यो रे ,
मोको लाग्यो रे ।

भूल्या भटक्या जीव जो आया ,
अब तो अवसर आयो रे ,
तीरथ बरत तो सब ही करिया ,
अब तो गंगा नहाओ रे ,
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,
थारो भाग जाग्यो रे ,
मोको लाग्यो रे ।

प्रेषक प्रमोद पटेल
यूट्यूब पर
1.निमाडी भजन संग्रह
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349
9981947823

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21599/title/moko-laagyo-re-satsangi-tharo-bhag-jagaaye-re>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |

